[प्रो॰ निर्मला कुमारी शक्तावत]

राजस्थान में कुछ वर्षों से पश्चिमी राजस्थान में अकाल है। इसके नाम पर भेड़ पालक सारे ही राजस्थान में बिगर रोक-टोक के विचरण करते हैं तथा भेड़ों द्वारा उस क्षेत्र के किसानों की खून-पसीने से उगाई अंकुरित तथा अविकसित फसलों को चौपट तो करते ही हैं तथा बन्दूकों की नोक पर उस क्षेत्र के किसानों को डराते-धमकाते हैं। उनके द्वारा अब तक कई हत्यायें प्रदेश में हुई। भेड़ों की संख्या अत्यधिक होती है। अपने पड़ाव एक-एक गांव में कई दिनों तक रखते हैं तथा उन्हीं स्थानों पर यह जाते हैं जहां अफीम पैदा होती है। जैसे चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, कोटा और झालवाड़। वहां एक निर्दोष ग्रामीणों की बहू-बेटियों के साथ अनैतिक आचरण भी बन्दूक की नोक पर करते हैं। इस का ताजा उदाहरण मेरे निर्वाचन क्षेत्र में कोटा जिले में लाडपुरा पंचायत के ग्राम जोधपुरिया में 8-9 वर्ष की अबोध बालिका के साथ बलात्कार किया गया जिस की रिपोर्ट थाने में लिखाई गई। इस तरह की आए-दिन की घटना से जनता अत्यधिक त्रस्त हैं। यह तस्कर जो भेड़ पालकों के रूप में आते हैं, भेड़ों द्वारा गरीब किसानों का खून-पसीने से कमाई गई फसलों को चराते हैं। इसमें केन्द्रीय सरकार हस्तक्षेप करके तुरंत रोके। भेड़ पालक अपना खुद चरागाह विकसित करें।

**[iv] Need for putting up a high power Radio stations in the border areas of Jaisalmer of Rajasthan,**

**श्री वृद्धि चन्द जैन** (बाड़मेर) : उपाध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार ने रेडियो प्रसारण की दृष्टि से राजस्थान प्रान्त के सीमावर्त्ती एवं पिछड़े लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र बाड़मेर जिसका क्षेत्रफल 70 हजार वर्ग किलोमीटर है जोकि केरल प्रान्त से दुगना और पंजाब प्रान्त के बराबर है, की घोर उपेक्षा कर रखी है।

केन्द्र सरकार का सूचना एवं प्रसारण विभाग यह मानता है कि आल इण्डिया रेडियो स्टेशन दिल्ली, जयपुर, जोधपुर, कोटा सूरतगढ़ और बीकानेर की आवाज उक्त क्षेत्र के आधे हिस्से में मंद और आधे हिस्से में बिलकुल नहीं पहुंचती है।

चौथी एवं पांचवीं पंचवर्षीय योजना में बाड़मेर एवं जैसलमेर रेडियो स्टेशन स्थापित करने का प्रस्ताव था परन्तु वित्तीय कठिनाई के कारण उक्त प्रस्ताव को कार्यान्वित नहीं किया गया। छठी पंचवर्षीय योजना में भी प्रस्ताव था परन्तु इसके बारे में कोई राशि का प्रावधान नहीं रखा।

उक्त क्षेत्र पाकिस्तान की सीमा पर आया हुआ है। पाकिस्तान रेडियो प्रसारण की दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उसके रेडियो स्टेशन कराची, लाहौर, हैदराबाद, बड़ी शक्ति के स्टेशन हैं जिनकी बुलन्द आवाज मेरे निर्वाचन क्षेत्र बाड़मेर एवं जैसलमेर के हिस्से में ही नहीं, बल्कि भारत के अधिकांश हिस्सों में पहुंचती है।

रेडियो प्रसारण का शांति के दिनों सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता को जागृत करना और उनके मनोबल को बढ़ाना है और युद्ध के समय में उन्हें सारी घटनाओं से वाकिफ कर के देश के प्रहरी की जिम्मेदारी निभाना है। अतः निवेदन है कि केन्द्रीय सरकार देश के सीमावर्ती बाड़मेर एवं जैसलमेर नगरों में प्राथमिकता के आधार पर क्रमशः छठी पंचवर्षीय योजना में बड़ी शक्ति के रेडियो स्टेशन स्थापित कर सीमावर्ती जनता की आवश्यक मांग की पूर्ति करें।